

12/6/18

परापूर्ति शान्त लोक अहोरात्र न्याय कार्य
इकार क्रम / क्रम कोटि कोरको पर प्रहान
इसे / प्रकीर्ण के अक्षिपला उपस्थित।

ॐ

CoAd.

विपरीत दिशा 01 लम्बायत 09 वाकतुद सुजन वी
 वेक-रुफ कर गिन वार अवाक विपरीत जो
 के बाद अनुपस्थित। अतः इनके विरुद्ध
 एक जहीम कार्रवाई के आदेश दिये जाते हैं।
 पुराण के अविष्कार द्वारा एक जहीम
 की गई। 10/11-08/11 अ.प.न. अ.प.न. धार
 111-128 LR मेथ लीकार विग गाने।
 विरुद्ध विरुद्ध पुपु के लिये अतः अ.प.न. धार
 पदावली फेसक सुमार एकर - 10/11
 कम है।

(Faint, illegible text, likely bleed-through from the reverse side of the page)